<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>इरेडा के सीएमडी का "सहकारिता के लिए अक्षय ऊर्जा प्रबंधन" पर महत्वपूर्ण सम्बोधन</u>

सहकारी ग्रुप अक्षय ऊर्जा के माध्यम से हरित भारत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं: सीएमडी, इरेडा

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2022

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने आज "सहकारिता के लिए अक्षय ऊर्जा प्रबंधन" पर चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में वर्चुअल मोड के माध्यम से एक महत्वपूर्ण भाषण दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन वीएएमआईएनआईसीओएम, पुणे, महाराष्ट्र में सहकारिता मंत्रालय के प्रायोजन के तहत "सेंटर फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड ट्रेनिंग इन एग्रीकल्चर बैंकिंग"(सीआईसीटीएबी) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

इरेडा के सीएमडी ने अपने संबोधन में, इस बात पर प्रकाश डाला कि हाल के वर्षों में आरई क्षेत्र में भारी निवेश के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। भारत का अक्षय ऊर्जा क्षेत्र संभावित रूप से वर्ष 2030 तक लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार दे सकता है, जोकि इस क्षेत्र द्वारा अनुमानित 1.1 लाख नियोजित मौजूदा कार्यबल से दस गुना अधिक होगा । 90% से अधिक की आरई परियोजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए सकारात्मक विकास हुआ है।

इरेडा के सीएमडी ने अक्षय ऊर्जा के माध्यम से हरित भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय गिरावट के प्रभावों को समझने के लिए सहकारी ग्रुपों की क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अपशिष्ट से ऊर्जा सेगमेंट को बढ़ावा देने के लिए इरेडा द्वारा की गई कई पहलों पर भी प्रकाश डाला। एमएसडब्ल्यू-आधारित अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं के लिए, इरेडा ने जोखिम सीमा को परियोजना लागत का 70% तक बढ़ा दिया है। कंपनी ने इंटरेस्ट सबवेंशन की पुष्टि करने वाली और कच्चे माल के लिए चीनी मिल/फैक्ट्री से सीधे जुड़ी परियोजनाओं के लिए परियोजना लागत का 90% तक इथेनॉल के उत्पादन के लिए एक एक्सपोजर सीमा निर्धारित की है।

किसान "अन्नदाता भी एक ऊर्जादाता" बनाने की दिशा में प्रमुख पहल के हिस्से के रूप में "पीएम-कुसुम" योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना का उद्देश्य किसानों को ऊर्जा और जल सुरक्षा प्रदान करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना, कृषि क्षेत्र को डी-डीजलाइज करना और पर्यावरण प्रदूषण को कम करना है। यह योजना 35 लाख से अधिक किसानों को उनके कृषि के लिए पंपों को सौर ऊर्जा से स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के लिए विश्व की सबसे बड़ी पहलों में से एक है। इस योजना के माध्यम से कुशल और अकुशल श्रमिकों के लिए 7.55 लाख नौकरी-वर्ष के बराबर रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

इरेडा के सीएमडी ने अपनी समापन राय व्यक्त करते हुए कहा कि ई-मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन और ऑफशोर विंड के माध्यम से अगले 5-7 वर्षों के दौरान देश में स्वच्छ ऊर्जा ट्रांजिशन में 'गेम चेंजर्स ' होने की उम्मीद है।